06-02-2019

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 06 फरवरी 2019 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ब्राउन हॉल में क्षतिग्रस्त मस्तिष्क के उपचार पर शोध करने वाली राजुल वसा फाउण्डेशन की मुंबई की फाउण्डर व वैज्ञानिक डॉ0 राजुल वसा द्वारा मस्तिष्क आघात (ब्रेन स्ट्रोक) पर आधारित एक व्याख्यान दिया गया।

डॉ0 राजुल वसा **"Applied Motor Control"** की वैज्ञानिक है। व्यावहारिक निदानिका के रूप में आपने क्षतिग्रस्त मस्तिष्क के मरीजों के पुनर्वास के लिए लीक से हटकर उपचार करने का सराहनीय कार्य किया है। आजकल विश्व में सामायिक स्नायु विज्ञान का विश्वास है कि क्षतिग्रस्त मस्तिष्क का आरोग्य लाभ कठिन है। यदि एक बार सी0टी0 स्कैन या एम0आर0आई0 में मस्तिष्क आघात प्रतिबिंबित हो जाए तो स्नायुविक मृत्यु निश्चित है।

डॉ0 राजुल ने स्नायुविक विज्ञान में मस्तिष्क मृत्यु की धारणा को एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया है और वसा अवधारणा की आधारशिला रखी, जिसे वासा अवधारणा एक सीधी बातचीत है। मस्तिष्क, शरीर और बाहरी वातावरण के बीच जो कि पूरे **muscolo skeleton system** को सिखाती है कि कितना **motor outflow** बढ़ाया जाए कि खोई हुई **sensory motor** को पुनः प्राप्त किया जा सके। यह जानकारी राजुल वसा फाउण्डेशन की सी0ओ0ओ0 अर्पिता राय ने दी।

इस अवसर पर डॉ0 विनीता दास, अधिष्ठाता चिकित्सा संकाय, ने डॉ0 राजुल वसा को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और ऐसे कार्यक्रम को के0जी0एम0यू0 में आयोजित किए जाने की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन पेरियोडोंटोलॉजी विभाग की डॉ0 रामेश्वरी सिंघल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हीमोटोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 ए0के0त्रिपाठी, न्यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 आर0के0गर्ग सहित तमाम चिकित्सक एवं भारी संख्या में मेडिकल व नर्सिंग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।